Department of Fabric and Apparel Science

1. Talk by Mahima Paul

The Department of Fabric and Apparel Science organized an insightful talk on sourcing fabrics for international brands to enhance students understanding of fabric sourcing and its role in the industry. Our esteemed speaker, Ms. Mahima Paul, an alumna of IHE, holds a B.Sc. in Home Science and an M.Sc. in Textile and Clothing. With over 11 years of experience in sourcing for Sainsbury's Argos in General Merchandise and Clothing, she brought a wealth of knowledge to the session. During her talk, Ms. Paul provided valuable insights into fabric sourcing, its significance across industries, and the key factors involved in the process. She shared her professional journey—from her college days to her current role—offering inspiration to students interested in the field. She also elaborated on the various sectors within the fabric industry and explained the roles and responsibilities of a sourcing professional, highlighting the essential criteria to consider when selecting fabrics. Additionally, she discussed the global fabric market and the corporate environment in this industry, equipping students with knowledge about potential career opportunities in different companies.

कपड़ा एवं परिधान विज्ञान विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के लिए फ़ैब्रिक सोर्सिंग पर एक ज्ञानवर्धक वार्ता का आयोजन किया ताकि छात्रों की फ़ैब्रिक सोर्सिंग और उद्योग में इसकी भूमिका के बारे में समझ बढ़े। हमारी सम्मानित वक्ता, सुश्री महिमा पॉल, जो IHE की पूर्व छात्रा हैं, ने गृह विज्ञान में बी.एस.सी. और टेक्सटाइल एवं परिधान में एम.एस.सी. की डिग्री प्राप्त की है। सेन्सबरी के आर्गोस के लिए सामान्य व्यापारिक वस्तुओं और परिधानों की सोर्सिंग में 11 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने इस सत्र में ज्ञान का भंडार प्रस्तुत किया। अपनी वार्ता के दौरान, सुश्री पॉल ने फ़ैब्रिक सोर्सिंग, विभिन्न उद्योगों

में इसके महत्व और इस प्रक्रिया में शामिल प्रमुख कारकों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों से लेकर वर्तमान भूमिका तक के अपने पेशेवर सफ़र को साझा किया, जिससे इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों को प्रेरणा मिली। उन्होंने फ़ैब्रिक उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में भी विस्तार से बताया और एक सोर्सिंग पेशेवर की भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों को समझाया, साथ ही फ़ैब्रिक चुनते समय ध्यान रखने योग्य आवश्यक मानदंडों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, उन्होंने वैश्विक फ़ैब्रिक बाज़ार और इस उद्योग के कॉर्पोरेट परिवेश पर चर्चा की, जिससे छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में संभावित करियर के अवसरों के बारे में जानकारी मिली।

2. Talk by Kanav Gupta

An online talk on “Technical Textiles: A Sunrise Sector of India” was held on 4th March 2025 as part of the Department Academic Fest. The session, attended by around 35–40 participants, featured Mr. Kanav Gupta, who provided valuable insights into the growing field of technical textiles in India. Mr. Gupta defined technical textiles as function-focused materials used in sectors such as automotive, healthcare, agriculture, and defense. He discussed India's growing potential in this sector, supported by government initiatives like the PLI scheme. Highlighting applications such as medical textiles, geotextiles, and protective textiles, he emphasized the role of innovation, research, and collaboration between industry, academia, and government in driving growth. The session concluded with an optimistic outlook on the future of technical textiles in India.

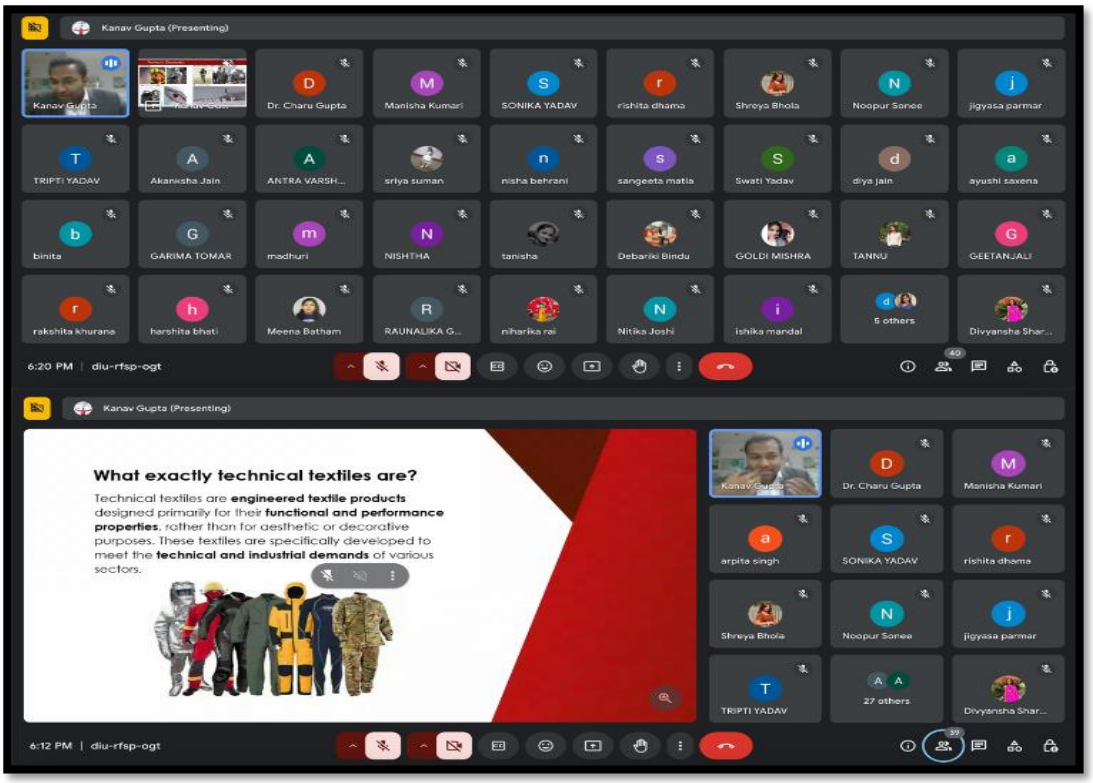

विभागीय शैक्षणिक उत्सव के एक भाग के रूप में 4 मार्च 2025 को "तकनीकी वस्त्र: भारत का एक उभरता हुआ क्षेत्र" विषय पर एक ऑनलाइन वार्ता आयोजित की गई। लगभग 35-40 प्रतिभागियों ने भाग लिया, इस सत्र में श्री कानव गुप्ता ने विशेष रूप से भाग लिया, जिन्होंने भारत में तकनीकी वस्त्रों के बढ़ते क्षेत्र के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की। श्री गुप्ता ने तकनीकी वस्त्रों को मोटर वाहन, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और रक्षा जैसे क्षेत्रों में उपयोग की जाने वाली कार्य-केंद्रित सामग्री के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने पीएलआई योजना जैसी सरकारी पहलों द्वारा समर्थित इस क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता पर चर्चा की। चिकित्सा वस्त्र, भू-वस्त्र और सुरक्षात्मक वस्त्र जैसे अनुप्रयोगों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने विकास को गति देने में उद्योग, शिक्षा और सरकार के बीच नवाचार, अनुसंधान और सहयोग की भूमिका पर बल दिया।

3. Quiz competition

Quiz Competition on "Fabric Construction Techniques" was held on 3rd March, 2025, in lab 1104 for B.Sc programme and hons. students as a part of academic fest. Prior to the competition, a screening test was conducted on 14th February, 2025, where 14 students participated and 6 were selected for the final round. The teams were divided into three groups: Jamdani, Baluchari, and Brocades. Team A (Jamdani) secured the first position, followed by Team C (Brocades) and Team B (Baluchari). For winners cash prizes and for participations e-certificates were given.

शैक्षणिक उत्सव के एक भाग के रूप में, बी.एस.सी. प्रोग्राम और ऑनर्स के छात्रों के लिए लैब 1104 में 3 मार्च, 2025 को "कपड़ा निर्माण तकनीक" पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता से पहले, 14 फरवरी, 2025 को एक स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 14 छात्रों ने भाग लिया और 6 छात्रों का चयन अंतिम दौर के लिए किया गया। टीमों को तीन समूहों में विभाजित किया गया था: जामदानी, बालूचरी और ब्रोकेड। टीम ए (जामदानी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, उसके बाद टीम सी (ब्रोकेड) और टीम बी (बालूचरी) ने स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को नकद पुरस्कार और भागीदारी के लिए ई-प्रमाणपत्र दिए गए ।

4. Reinvention of Saree

The Department of Fabric and Apparel Science organized a Saree Draping and Styling Competition on 4th March 2025, themed “Reinvention of Six Yards.” The event saw active participation from 36 teams across B.Sc. Pass, B.Sc. Hons, and M.Sc. FAS, showcasing innovative and sustainable reinterpretations of the traditional saree. Participants presented their designs within a 2–3-minute window, judged on creativity, aesthetics, practicality, and presentation. Winners from both M.Sc. and B.Sc. categories were felicitated along with a consolation prize. The competition celebrated the saree’s versatility while encouraging modern, eco-conscious design approaches, leaving a strong impression on the audience and participants alike.

कपड़ा एवं परिधान विज्ञान विभाग ने 4 मार्च 2025 को "छह गज की साड़ी का पुनर्निर्माण" विषय पर एक साड़ी ड्रेपिंग और स्टाइलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बी.एस.सी. पास, बी.एस.सी. ऑनर्स और एम.एस.सी. एफ.ए.एस. की 36 टीमों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पारंपरिक साड़ियों की अभिनव और टिकाऊ पुनर्व्याख्याओं का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने 2-3 मिनट के भीतर अपने डिज़ाइन प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन रचनात्मकता, सौंदर्यबोध, व्यावहारिकता और प्रस्तुति के आधार पर किया गया। एम.एस.सी. और बी.एस.सी. दोनों श्रेणियों के विजेताओं को सांत्वना पुरस्कार के साथ सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता ने साड़ियों की बहुमुखी प्रतिभा का जश्न मनाते हुए आधुनिक, पर्यावरण के प्रति जागरूक डिज़ाइन दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित किया और दर्शकों और प्रतिभागियों, दोनों पर गहरी छाप छोड़ी।

5. Craft Mela

The Department of Fabric and Apparel Science organized a vibrant Craft Mela, featuring stalls set up by department alumni, including Khushboo Chauhan, Naina Arya, Tannu, Nishtha, and others. They showcased their handcrafted creations, including crochet products, paintings, and traditional textile crafts. The event served as a platform for alumni to present their entrepreneurial ventures while allowing students to engage with real-world craft practices. It was well-received and successfully promoted creativity, craftsmanship, and alumni interaction.

कपड़ा एवं परिधान विज्ञान विभाग ने एक जीवंत शिल्प मेले का आयोजन किया, जिसमें खुशबू चौहान, नैना आर्या, तन्नू, निष्ठा और अन्य पूर्व छात्राओं द्वारा स्टॉल लगाए गए। उन्होंने क्रोशिया उत्पादों, पेंटिंग्स और पारंपरिक वस्त्र शिल्प सहित अपनी हस्तनिर्मित कृतियों का प्रदर्शन किया। यह आयोजन पूर्व छात्राओं के लिए अपने उद्यमशीलता के प्रयासों को प्रस्तुत करने का एक मंच प्रदान करता है और साथ ही छात्रों को वास्तविक दुनिया की शिल्प प्रथाओं से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करता है। इसे खूब सराहा गया और इसने रचनात्मकता, शिल्प कौशल और पूर्व छात्राओं के बीच संवाद को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।